परमाणु हथियार व ऊर्जा

प्रस्तावना

20वीं शताब्दी में परमाणु ऊर्जा के विकास और उसके प्रयोग का दौर सेना के प्रयोग के लिए परमाणु हथियारों के उत्पादन से शुरू हुआ था। इस प्रयोग ने दुनिया भर में परमाणु प्रौद्योगिकी के निरंतर बढ़ते प्रसार को उचित ठहराने का आधार प्रस्तुत किया, परमाणु विखंडन का और अधिक लाभदायी दिखने का कारण बना, और इस मिथक को बढ़ावा मिला कि परमाणु ऊर्जा सस्ती व सुरक्षित है। जबकि इस ऊर्जा को जलवायु संकट के समाधान के रूप में देखना एक छलावा मात्र है। ये परमाणु हथियार वास्तव में विश्व-शांति, सुरक्षा एवं मानवता को कमजोर करते हैं। परमाणु हथियार तथा परमाणु ऊर्जा - इन दोनों द्वारा सुरक्षा, स्वास्थ्य व पर्यावरण पर पड़ने वाले असंख्य खतरों को देखते हुए इनको समाप्त किया जाना एक वैश्विक प्राथमिकता होनी चाहिए। जीवाश्म ईंधन की तरह ही इनका अविलंब उन्मूलन अति आवश्यक है अन्यथा डर है कि कहीं हिरोशिमा, नागासाकी, चेरनोबिल और फुकुशिमा की भयावह घटनाएं फिर से न घटित हो जाएं।

ध्येय

हमारा ध्येय है - इस दुनिया को परमाणु हथियारों तथा परमाणु ऊर्जा से और आने वाली पीढ़ियों को इसके खतरनाक स्तर के रेडियोधर्मी अवशेषों के बोझ से मुक्त करना। हमें अविलंब परमाणु ऊर्जा के अस्तित्व को समाप्त कर देना होगा क्योंकि यह खतरनाक है तथा प्रदूषण व रेडियोधर्मी कचरे के अस्तित्व का कारण बनता है। इसके स्थान पर, ऊर्जा के आपूर्ति एवं मांग के बीच की खाई को पाटने के लिए, हमें पवन, सौर तथा अन्य प्रकार के अक्षय ऊर्जाओं में निवेश करना चाहिए।

उद्देश्य

हिरोशिमा व नागासाकी की परमाणु त्रासदियाँ तथा चेरनोबिल व फुकुशिमा की परमाणु आपदाएं इस परमाणु मुद्दे के समाधान की आवश्यकता पर बल देते हैं। इसलिए, ग्रींस का मुख्य उद्देश्य नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण पर एक विधिवत रोक, परमाणु परमाणु ऊर्जा भट्टियों पर शीघ्रातिशीघ्र तालाबंदी, और परमाणु कचरा भस्मक, खाद्य विकिरक जैसे परमाणु कचरे व यूरेनियम का प्रयोग या उत्पादन करने वाली प्रौद्योगिकियों का चरणबद्ध रूप से ख़त्म किया जाना है। इसके अलावा, ग्रींस में हम इस दुनिया को परमाणु हथियारों से मुक्त करने का भी भरपूर प्रयास करेंगे।

कार्य योजना

ऊर्जा आवश्यकताओं को समग्र रूप से कम करने वाली नीतियों के अलावा, ग्रींस परमाणु हथियारों व परमाणु ऊर्जा संयंत्रों पर प्रतिबंध लगाने और विश्व को परमाणु ऊर्जा, परमाणु हथियारों तथा ईंधन व ऊर्जा श्रृंखलाओं से मुक्त कर सुरक्षित, पर्यावरणोनुकूल स्थायी ऊर्जा विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करेगा। इसके लिए ग्रींस -

परमाणु ऊर्जा

- घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परमाणु उन्मूलन को प्राथमिकता देगा
- आपूर्ति की सुनिश्चितता के साथ जीवाश्म ईंधन के स्थान पर नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त बिजली व ताप के कुशल उपयोग से ऊर्जा प्रणालियों को अकार्बनीकृत करेगा
- परमाणु स्रोतों से प्राप्त विद्युत शक्ति के उत्पादन का चरणबद्ध रूप से समाप्ति, सभी मौजूदा परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की तालाबंदी और किसी भी नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण पर रोक लगाएगा

यूरेनियम, थोरियम व परमाणु कचरा

- यूरेनियम व थोरियम के खनन और निर्यात पर प्रतिबंध लगाएगा
- यूरेनियम व थोरियम खनन क्षेत्रों के पुनरूद्धार के लिए इनके खननकर्ता कंपनियों को उत्तरदायी ठहराएगा और रेडियोधर्मी अवशेष व कचरे को सुरक्षित रखने और निगरानी करने के लिए उन्हें प्रवर्तन मानकों के अधीन करेगा
- मौजूदा परमाणु कचरे का सुरक्षित, दीर्घकालिक निपटान और नए परमाणु कचरे के उत्पादन को चरणबद्ध तरीके से समाप्ति को सुनिश्चित करेगा

परमाणु हथियार

- परमाणु हथियार के प्रक्षेपण को सक्षम करने वाली सभी सुविधाओं को हटा देगा
- परमाणु हथियार मुक्त क्षेत्र, नगरपालिका और बंदरगाह बनाएगा
- परमाणु हथियारों के अनुसंधान, विकास तथा उत्पादन पर रोक लगाएगा
- परमाणु हथियारों से निकले कचरे को सुरक्षित रूप से नष्ट व निपटारा करेगा
- यूरेनियम के खनन व निर्यात और परमाणु हथियारों के प्रसार के बीच की कड़ी को तोड़ेगा
- एक देश के द्वारा दूसरे देश में परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकेगा
- प्रत्यक्ष रूप से परमाणु हथियारों के निर्माण तथा संवर्धन से जुड़े खनन, अनुसंधान, विकास कार्यों और प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण हेतु सरकारी वित्तपोषण को प्रतिबंधित करेगा

- विदेशी परमाणु हथियार विकास में सहायक घरेलू विनिर्माण, अनुसंधान, और अन्य आदानों पर रोक लगाएगा
- परमाणु हथियारों पर रोक लगाने के लिए एक सार्थक व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि तथा अन्य कानूनी रूप से बाध्य साधनों की पुष्टि करेगा

परमाणु अप्रसार संधि तथा परमाणु आतंकवाद

- परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) 1968 को संशोधित व मजबूत करेगा, ताकि यह संधि ऑन-साइट निरीक्षणों को पूरी बारीकी से करे और यह सुनिश्चित करे कि परमाणु सामग्री का उपयोग केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किया जा रहा है
- परमाणु सामग्रियों के भौतिक संरक्षण पर सम्मेलन तथा परमाणु आतंकवाद के कृत्यों के दमन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अनुरूप परमाणु आतंकवाद के खतरे को संबोधित करेगा
- वैश्विक परमाणु अप्रसार और निरस्त्रीकरण मानदंडों तथा शांति एवं सुरक्षा के अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को मजबूत करने के लिए परमाणु-हथियार-मुक्त क्षेत्र (एनडब्ल्यूएफज़ेड) की तरह एक अंतर्राष्ट्रीय तंत्र बनाएगा

अंतरराष्ट्रीय

- **परमाणु** सामग्रियों के अंतर्राष्ट्रीय परिवहन और व्यापार पर प्रतिबंध लगाएगा
- अंतरिक्ष में प्रयोग हेतु प्रक्षेपित परमाणु सामग्रियों पर लगाम लगाएगा
- घरेलू अथवा अंतर्राष्ट्रीय जल क्षेत्रों में रेडियोधर्मी कचरे को छोड़े जाने पर प्रतिबंध लगाएगा
- अंतर्राष्ट्रीय परमाणु कचरे और ईंधन छड़ों के आयात और पुन: प्रसंस्करण पर रोक लगाएगा
- यूरेनियम व थोरियम के अंतर्राष्ट्रीय खनन तथा व्यापार की समाप्ति की दिशा में कार्य करेगा
- संयुक्त राष्ट्र परमाणु हथियार निषेध संधि पर हस्ताक्षर तथा संपुष्टि का समर्थन करेगा

परमाणु सुरक्षा

- इस बात की पहचान करेगा कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए परमाणु ऊर्जा एक सुरक्षित, स्वच्छ, समयानुकूल, आर्थिक अथवा व्यावहारिक समाधान नहीं है
- जब तक रिएक्टरों की तालाबंदी कर उन्हें ख़त्म नहीं कर दिए जाएं तब तक दुर्घटनाओं को रोकने के लिए परमाणु ऊर्जा स्टेशनों और आपूर्ति श्रृंखलाओं को कड़ाई से विनियमित करेगा
- मौजूदा रिएक्टरों को हमलों से बचाएगा

- भावी पीढ़ियों के ऊपर रेडियोधर्मी कचरे के खतरनाक स्तर के बोझ को देश-व्यापी परमाणु निरस्त्रीकरण के माध्यम से सीमित करेगा
- विकिरण के संपर्क में आने वाले श्रमिकों को चिकित्सा सहायता और मुआवजा प्रदान करेगा
- यूरेनियम खदानों के निष्कासन क्षेत्रों, परीक्षण व अन्वेषण स्थलों, अनुसंधान व उत्पादन सुविधा क्षेत्रों तथा भंडारण स्थलों सहित रेडियोधर्मी पदार्थों से दूषित सभी स्थानों का पुनरुत्थान करेगा
- इस बात की पहचान करेगा कि परमाणु सुरक्षा हर उस देश की ज़िम्मेदारी है जो परमाणु प्रौद्योगिकी को उपयोग में लाता है
- लोग, समाज तथा पर्यावरण की सुरक्षा के लिए एक मजबूत, स्थायी व प्रत्यक्ष वैश्विक परमाणु बचाव एवं सुरक्षा ढांचे का समर्थन करेगा
- सभी परमाणु ऊर्जा उत्पादकों को उनके द्वारा उत्पन्न रेडियोधर्मी कचरे के लिए शाश्वत रूप से जिम्मेदार ठहराएगा
- सभी सैन्य तथा असैन्य परमाणु सुविधाओं के लिए एक स्वतंत्र निगरानी नेटवर्क स्थापित करेगा जब तक कि उन्हें निष्क्रिय और बंद नहीं कर दिया जाता
- परमाणु हथियार परीक्षण के पीड़ितों को मुआवजा देगा
- परमाणु परीक्षण स्थलों को पुनः स्थापित करेगा
- मौजूदा रेडियोधर्मी सामग्रियों के सबसे सुरक्षित रूप से संभव भंडारण हेतु एक नीति अपनाने के लिए विशेषज्ञों के साथ काम करेगा, और रेडियोधर्मी सामग्रियों के भूमिगत निपटान को बंद करेगा

स्वच्छ अक्षय स्रोत

- मुख्य रूप से नवीकरणीय, अल्प कार्बनिक स्रोतों, जैसे अपतटीय व तटवर्ती पवन, समुद्री, सौर फोटो-वोल्टाइक, और/अथवा छोटे पैमाने पर पनबिजली, पर आधारित स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन को पर्याप्त रूप से बढ़ाएगा
- पवन, सौर, महासागर, भूतापीय और छोटे पैमाने पर पनबिजली जैसे स्वच्छ अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को और अधिक विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध होगा
- स्वच्छ अक्षय ऊर्जा के भी पर्यावरणीय दुष्प्रभाव हो सकते हैं अतः उन दुष्प्रभावों को कम करेगा
- सौर ऊर्जा के व्यापक प्रसार को सक्षम करने के लिए सस्ते, गैर-विषैले सौर फोटोवोल्टिक प्रौद्योगिकी के बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए प्रतिबद्ध होगा
- लागत-प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के लिए सरकारी सुविधाओं में लगने वाले सौर सेलों के बड़े पैमाने पर सरकारी ख़रीद का समर्थन करेगा

परमाणु संदूषण

- **भविष्य में** मानव निर्मित विकिरण का पर्यावरण में रिसाव को कम करेगा क्योंकि विकिरणों के अनावरण में थोड़ी भी बढ़ोत्तरी जीवों की संचयी क्षति को और भी बढ़ा देती है
- परमाणु संदूषण तथा यूरेनियम का खनन, जो अधिकांशतः स्थानीय लोगों की भूमि पर होता है, पर रोक लगाएगा
- पर्यावरण में रेडियोधर्मी संदूषण को रोकने के लिए एक मजबूत, प्रवर्तनीय दंड व्यवस्था स्थापित करेगा

विविध

- निदान व उपचार प्रक्रियाओं में रेडियोधर्मी समस्थानिकों (isotopes) के चिकित्सा पेशे में अति प्रयोग पर रोक लगाएगा, और इसके विकल्प प्राप्ति के लिए हो रहे अनुसंधान को और आगे बढ़ाएगा
- यथासंभव चिकित्सीय रेडियोधर्मी सामग्रियों का पुनर्चक्रण करेगा, और अल्पकालिक चिकित्सीय कचरे के लिए भंडारण-से-क्षय-तक की सुविधाओं का विकास करेगा
- सभी प्रकार के रेडियोधर्मी कचरों का भूमि में कम गहराई में निपटाये जाने और उन्हें जलाये जाने पर प्रतिबंध लगाएगा
- अत्याधुनिक मानकों तथा वैज्ञानिक निगरानी तकनीकों के अंतर्गत होने वाले उपयोगों को छोड़कर, विज्ञान में रेडियोधर्मी पदार्थों के बाकी सभी उपयोगों को सीमित करेगा

संदर्भ:

https://www.un.org/en/sections/issues-depth/atomic-energy/index.html
https://policy.greenparty.org.uk/ey.html
https://gp.org/cgi-bin/vote/propdetail?pid=519
https://www.cagreens.org/platform/nuclear-contamination
https://politics.stackexchange.com/questions/48378/why-are-green-parties-so-often-opposed-to-nuclear-power
https://www.reddit.com/r/GreenParty/comments/34zs7c/why_are_the_green_party_against_civil_nuclear/
https://www.globalgreens.org/globalcharter-english#climate
https://www.facebook.com/thegreenparty/posts/nuclear-power-is-a-false-solution-to-the-climate-crisis-we-need-to-reduce-demand/175238475867684/
https://greens.org.au/policies/nuclear-and-uranium
https://indiagreensparty.org/policies/nuclear-and-uranium/
https://www.theguardian.com/environment/2012/jul/30/japan-green-party-nuclear-power